बिहार विधान परिषद

(बिहार विधान परिषद् का 194वां बजट सत्र)

03 मार्च 2020

[ऊर्जा - उद्योग - स्वास्थ्य - अल्पसंख्यक कल्याण - गन्ना उद्योग - संसदीय कार्य - विधि लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग].

19

सुधार का उपाय

*3 **श्री रामचन्द्र पूर्वे (विधान सभा):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2019 में स्वस्थ विकास सूचकांक के मामले में देश में बिहार का पचास स्कोर के साथ 28वां रैंक है जबकि 60 स्कोर के साथ केरल का प्रथम रैंक है;

(ख) यदि उपरोक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो रैंक पिछड़ने का क्या कारण है और इसके सुधार के लिए सरकार कौन-सा उपाय कर रही है ?

वेतन भुगतान कबतक

*90 **प्रो. नवल किशोर यादव (शिक्षक पटना):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पी.एम.सी.एच.) के अधीनस्थ पटना डेंटल कॉलेज के प्रोफेसर और शिक्षकों को विगत आठ माह से वेतन नहीं मिल रहा है, जिससे वे बिना वेतन के कार्य करने को मजबूर हैं;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य के एकमात्र इस सरकारी डेंटल कॉलेज व अस्पताल के चिकित्सकों की सेवा का नवीनीकरण भी विभागीय अकर्मण्यता से नहीं हो पा रहा है और न ही इनकी सेवा नियमित हो पा रही है, जिससे कार्यरत चिकित्सकों के समक्ष घोर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वर्णित खंड 'क' एवं 'ख' की स्थिति में अस्पताल के प्रोफेसर एवं शिक्षकों की सेवा नियमित करने तथा उनकावेतन भुगतान सुनिश्चित करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

दिशा-निर्देश जाये

***91 डा. संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):**

ऊर्जा :-

क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य में निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु सभी पुराने एवं जर्जर विद्युत खंभों की जगह पर नये एवं मजबूत विद्युत खंभों को खड़ा किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि नये विद्युत खंभों को खड़ा करने के पश्चात् पुराने एवं जर्जर विद्युत खंभों से होने वाले संभावित खतरों के आलोक में हटाये जाने का कोई स्पष्ट विभागीय दिशा-निर्देश नहीं है;

(ग) यदि उपयुक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या विभाग संबंधित स्पष्ट दिशा- निर्देश जारी करना चाहती है, यदि नहीं तो क्यों ?

शोध कार्य

***92 श्री रामचन्द्र पूर्वे (विधान सभा):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के प्रतिष्ठित पटना मेडिकल कॉलेज एण्ड अस्पताल में मेडिकल पढ़ाई के साथ-साथ राज्य में फैलने वाली जानमारक बीमारियों का शोध कार्य भी होता है;

(ख) यदि हां तो मुजफ्फरपुर में चमकी बुखार से तीन सौ बच्चों की मौत के कारण एवं निदान से संबंधित शोध कार्य इस मेडिकल संस्थान से नहीं कराये जाने का क्या औचित्य है ?

परिवार नियोजन का प्रचार-प्रसार

***93 श्री कृष्ण कुमार सिंह (विधान सभा):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि छोटा परिवार सुखी परिवार होता है, ये नारा बिहार के शहरी इलाकों में कुछ हद तक तो कारगर है, लेकिन ग्रामीण इलाकों में शादीशुदा जोड़ों को बच्चों में कितना अंतर रखने के साथ परिवार नियोजन तक के विषय के बारे में कोई जानकारी नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि बिहार में प्रजनन दर (टीएफआर) अन्य राज्यों की तुलना में सबसे अधिक है, प्रजनन दर की स्थिति बिहार में 3.3, उत्तरप्रदेश में 3.1, माध्य-प्रदेश में 2.8 और दिल्ली में 1.6 है;

(ग) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य विभाग के द्वारा चलाए जा रहे परिवार नियोजन के सारे दावे फेल हो रहे हैं, साथ ही इसके लिए चलाई जा रही बड़ी-बड़ी योजनाएं भी प्रचार-प्रसार के अभाव में दम तोड़ती नजर आ रही हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य में जनसंख्या-नियंत्रण के लिए परिवार नियोजन का प्रचार-प्रसार कर लोगों को जागरूक करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

महिला डॉक्टरों की पदस्थापना कबतक

***94 श्री दिलीप राय (सीतामढी स्थानीय प्राधिकार):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी सदर अस्पताल में महिला डॉक्टरों की पदस्थापना नहीं होने के कारण महिलाओं को सीतामढ़ी से बाहर इलाज हेतु जाना पड़ रहा है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त सदर अस्पताल में महिला डॉक्टरों की पदस्थापना कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

नियम बनाने पर विचार

*95 **श्री रजनीश कुमार (बेगूसराय स्थानीय प्राधिकार):**

लोक स्‍वास्‍थ्‍य अभियंत्रण विभाग :-

क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग यह बतलाने की कृपा करेंगे कि

क. क्या यह सही है कि हर घर जल नल योजना के लिए पंचायत के वार्ड में जमीन का चयन संबंधित प्रखंड के अंचल अधिकारी के द्वारा किया जाना है?

ख. क्या यह सही है कि उक्त योजना के लिए सरकारी जमीन को चयन में प्राथमिकता देना है?

ग. क्या यह सही है कि वार्ड में सरकारी जमीन नहीं रहने की स्थिति में रैयती जमीन का चयन करना है जिसका एनओसी अंचलाधिकारी के द्वारा निर्गत करना है?

घ. क्या यह सही है कि सरकारी जमीन रहते हुए भी अंचलाधिकारी एवं विभागिय इंजिनियर के द्वारा रैयती जमीन का एनओसी देकर मनमाने तरीके से बोर्डिंग गाड़ा जा रहा है?

ड़. यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार उक्त योजना के लिए जमीन के चयन में वार्ड सभा की सहमती लेने का नियम बनाने का विचार रखती है? यदि हाँ तो कब तक, नहीं तो क्यों?

बेहतर इलाज

*96 **श्री राधाचरण साह (स्थानीय प्राधिकार, भोजपुर एवं बक्सर):**

स्वास्थ्य :-

क्‍या मंत्री, स्‍वास्‍थ्‍य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्‍या यह सही है कि पटना मेडिकल कॉलेज अस्‍पताल में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर और ट्यूटर के कुल 586 पद है, इनमें महज 309 पदों पर ही चिकित्‍सक कार्यरत हैं और फैक्‍ल्‍टी के 277 पद खाली हैं;

(ख) क्‍या यह सही है कि कुछ विभागों में एक भी प्रोफेसर नहीं होने से पीजी की पढ़ाई पर संकट बना हुआ है;

(ग) क्‍या यह सही है कि मरीजों के बेहतर इलाज के साथ ही मेडिकल छात्रों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्‍त खंडों के उत्‍तर स्‍वीकारात्‍मक हैं, तो सरकार पटना मेडिकल अस्‍पताल में बेहतर इलाज और मेडिकल छात्रों की पढ़ाई सुनिश्चित कबतक कराना

चाहती है?

खतरा से निजात

*97 **श्री राम लषण राम रमण (मनोनीत):**

ऊर्जा :-

क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत अंधराढाढ़ी प्रखंड की मरुकिया पंचायत मरुकिया ग्राम-वार्ड नं.-3, 4, 5, 6 में उफेज विद्युत लाइन का तार नंगा लटक रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि आधे गांव में लटकता हुआ नंगा तार घरों और पेड़ों से सटा हुआ है जो खतरे की घंटी बजा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार कबतक नंगे तार का केबुलिंग कराकर खतरा से उबारना चाहती है ?

कब्जा से मुक्ति

*98 **श्री सतीश कुमार (विधान सभा):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह सही है कि मोतिहारी आयुर्वेद महाविद्यालय को पूर्व के शासी निकाय के अध्यक्ष सचिव एवं सदस्यों ने बड़े पैमाने पर गबन एवं भ्रष्टाचार (वित्तीय अनियमितता) कर महाविद्यालय को बंद करा दिया है;

(ख) क्या यह सही है कि स्वास्थ्य विभाग के अधिसूचना सं.-868 (दे.चि.), दिनांक-24.8.2006 को अवक्रमित कर संकल्प सं.-16 इन्डेम(एच) 1-40/80 पार्ट के बिहार देशी चिकित्सा शिक्षण संस्थान (विनियमन एवं नियंत्रण) अधिनियम 1981 की धारा 8(i) शक्तियों का प्रयोग कर शासी निकाय का गठन किया गया था;

(ग) क्या उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार आजतक शासी निकाय का बैठक नहीं करने तथा महाविद्यालय के सुसज्जित भवनों, जमीनों को अवैध ढंग से कब्जा करने वालों से मुक्त कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

बकाया वेतन एवं अन्य एसीपी का भुगतान कबतक

***99 डा. मदन मोहन झा (शिक्षक दरभंगा):**

स्वास्थ्य :-

(क) क्या यह सही है कि श्रीमती रीता कुमारी एएनएम सदर प्रखंड बेगूसराय में तत्कालीन स्वास्थ्य उपकेंद्र सिंघौल में पदस्थापित थी एवं इनका बकाया वेतन एवं अन्य एसीपी मई 2003 से 24 नवंबर 2009 तक बकाया है;

(ख) क्या यह सही है कि वेतन भुगतान हेतु बिहार राज्य मानवाधिकार आयोग के बाद संख्या 3799/2014 में दिनांक 30/08/2016 को बकाए वेतन का भुकतान सिविल सर्जन बेगूसराय द्वारा एक माह में सभी बकाया भुगतान का आदेश दिया गया था राज्य मानवाधिकार आयोग के आदेश का पालन हेतु निर्देशक प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं बिहार पटना के ज्ञापांक 6N-15-11-2017-264 (6) दिनांक 17 मार्च 2017 के द्वारा दिनांक 30-8-16 के पारित आदेश का अनुपालन 7 दिनों में करने का आदेश दिया गया था;

(ग) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो, क्या सरकार बकाया वेतन एवं अन्य एसीपी का भुगतान करना चाहती है, यदि हाँ तो कब तक?

आवश्यक कार्रवाई

***100 श्री राजेश राम (पश्चिमी चम्पारण स्थानीय प्राधिकार):**

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग :-

क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह सही है कि पश्चिम चम्पारण जिले के प्रखंड नरकटियागंज अन्तर्गत ग्राम-सेमरी साठी में जल मीनार का निर्माण लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग द्वारा करीब 6 वर्ष पूर्व में कराया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि जल मीनार निर्माण के साथ ही ग्राम सेमरी, कटहरी में जल आपूर्ति हेतु पाइप लाइन बिछा दिया गया है, इसके बावजूद आज तक ग्राम सेमरी एवं कटहरी की आम जनता को शुद्ध पेयजल आपूर्ति नहीं हो पा रही है;

(ग) क्या उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दोषी संवेदक एवं अभियंताओं पर आवश्ययक कार्रवाई करना चाहती है तथा उक्त जल मीनार से ग्रामीणों को कबतक शुद्ध पेयजल मुहैया करना चाहती है, यदि नहीं तो क्यों ?

मरीजों को सुविधा

***101 श्री राधा मोहन शर्मा (विधान सभा):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(क) क्या यह सही है कि राज्य स्तर पर सभी जिलों में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा जिला के मुख्य हॉस्पीटल को बर्न विभाग निर्माण आधुनिकता के अन्तर्गत जोड़ने की व्यवस्था शुरू करने जा रही है;

(ख) क्या यह सही है कि बर्न विभाग के द्वारा हॉस्पीटल को आधुनिक मशीनों से लैस किया जायेगा तथा बर्न मरीजों को सुगम चिकित्सा का लाभ दिया जायेगा;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जहानाबाद मुख्य हॉस्पीटल को बर्न विभाग से जोड़कर आधुनिक मशीन से लैस सुविधा मरीजों को देने के प्रति विचार रखती है, यही हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

समुचित कार्रवाई

***102 डा. रामवचन राय (मनोनीत):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, खुटौना में लगातार 15 (पन्द्रह) वर्षों से पदस्थापित डा. विजय मोहन केशरी के खिलाफ पुलिस अधीक्षक, मधुबनी ने अपने पत्रांक-441/हि.शा., दिनांक-18.01.2020 के द्वारा अक्सर गलत जख्म जांच प्रतिवेदन समर्पित करने के संदर्भ में अपना मंतव्य गठित कर प्रतिवेदित किया है;

(ख) क्या यह सही है कि डा. केशरी द्वारा लदनियां थाना कांड संख्या-125/14, 106/16 एवं 142/19 में भी भ्रामक एवं असत्य जख्म प्रतिवेदन निर्गत करने के कारण निर्दोष लोगों को न्यायिक हिरासत में जेल जाना पड़ा है;

(ग) क्या यह सही है कि आरक्षी अधीक्षक, मधुबनी ने अपने उक्त वर्णित ज्ञापांक के द्वारा डा. केशरी के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने हेतु सिविल सर्जन, मधुबनी से अनुरोध किया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार डा. विजय मोहन केशरी को वर्तमान पदस्थापित स्थान से स्थानांतरित कर उनके विरुद्ध विधिसम्मत समुचित कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक और नहीं तो क्यों?

विद्युत कनेक्शन शीघ्र

***103 श्री अशोक कुमार अग्रवाल (कटिहार त्रिस्तरीय पंचायती राज):**

ऊर्जा :-

क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह सही है कि पटना जिला के दीघा थानान्तर्गत कुर्जी विकास नगर कॉलोनी के रोड नं.-09 में लगभग एक वर्ष से नया पोल एवं तार लगा दिया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि वहां के निवासियों के बार-बार अनुरोध के बाद भी उक्त पोल से एक वर्ष से किसी भी मकान में कनेक्शन नहीं दिया जा रहा है;

(ग) क्या उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त कॉलोनी के रोड नं.-9 में स्थित मकानों में शीघ्रातिशीघ्र कनेक्शन कराने हेतु कौन-सी कार्रवाई करना चाहती है और कबतक ?

कॉलेज खोलने पर विचार

*104 **श्री संजीव श्याम सिंह (शिक्षक गया):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी जिला के सुरसंड प्रखंड के राजकीय पोलिटेक्निक कॉलेज मलाही के बगल में बिहार सरकार की लगभग 7 एकड़ जमीन बची है;

(ख) क्या यह सही है कि उस क्षेत्र में एक भी ए.एन.एम. या जी.एन.एम. कॉलेज नहीं है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वहां ए.एन.एम. या जी.एन.एम. कॉलेज खोलने पर विचार करेगी, यदि हां तो कबतक ?

कुष्ठ निवारण केन्द्र की स्थापना

*105 **श्री केदार नाथ पाण्डेय (सारण शिक्षक):**

स्वास्थ्य :-

क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह सही है कि सिवान जिलान्तर्गत कागजी मुहल्ला, सिवान में 310 हबीबुल हसन के मकान के निकट 70 वर्षों से एक कुष्ठ निवारण केन्द्र चल रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि वर्णित कुष्ठ निवारण केन्द्र को बंद कर दिया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'क' में वर्णित कुष्ठ निवारण केन्द्र को कबतक पुनःस्थापित करने का विचार रखती है ?

पाईप बिछाने का कार्य

*106 **श्री राजन कुमार सिंह (स्थानीय प्राधिकार, औरंगाबाद):**

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग :-

क्या मंत्री, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(क) क्या यह सही है कि औरंगाबाद जिला में सात निश्चय के तहत हर घर नल-जल योजनान्तर्गत घर तक पानी पहुंचाने हेतु पाइप सड़क से तीन ईंच गहराई में बिछाया जा रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त पाइप पर वाहनों के आवागमन के कारण पाइप टूट जाता है अथवा फट जाता है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त योजना में निर्धारित प्रावधान के अनुसार एक मीटर गहराई में पाइप बिछाने का प्रावधान है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार एक मीटर गहराई में पाइप बिछाने का कार्य कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

विद्युत विभाग का निजीकरण

*107 **श्री प्रेम चन्द्र मिश्रा (विधान सभा):**

ऊर्जा :-

क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि–

(क) क्या यह सही है कि भारत सरकार के द्वारा ऊर्जा विभाग को निजी कंपनियों को सौंप देने का कोई निर्णय हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि भारत सरकार द्वारा उपरोक्त कथित निर्णय की आशंका से आशंकित होकर गत 11 फरवरी को बिहार विद्युत कामगार पदाधिकारी अभियंता संयुक्त मोर्चा द्वारा 24 घंटे के लिए हड़ताल की गयी थी;

(ग) क्या यह सही है कि बिहार में उपभोक्ताओं को बिजली ऊंची दरों पर खरीद कर आपूर्ति की जाती है;

(घ) क्या यह सही है कि उपभोक्तओं को बिजली रीडिंग मीटर का नया मॉडल खरीदने को बाध्य किया जा रहा है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बतलाएगी कि क्या वह विद्युत विभाग के निजीकरण के लिए अपनी सहमती दे चुकी है ?